देश में खाद्यान्नों की मांग

292. श्री रणजीत सिंह :
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **खाद्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार द्वारा वर्ष 1992-93 के दौरान देश में खाद्यान्नों की मांग के बारे में कोई आकलन किया गया है ;

(ख) यदि हां, तो इस मांग की पूर्ति के लिए गेहूं, चावल, दालों और मोटे अनाजों की क्रमशः कितनी-कितनी मात्रा में आवश्यकता होगी ;

(ग) मई, 1992 के अंत में देश के सुरक्षित भंडार में खाद्यान्नों की मात्रा कितनी थी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से उपभोक्ताओं को वितरित किए जाने वाले खाद्यान्न की अनुमानित मांग कितनी है; और

(घ) इस मांग को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

खाद्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री तरुण गोगोई) : (क) और (ख) चूंकि मांग जनसंख्या में वृद्धि, शहरीकरण की रफ्तार, आय स्तर, वैकल्पिक खाद्य पदार्थों के मूल्यों आदि जैसे विभिन्न तथ्यों पर निर्भर करती है, इसलिए देश में खाद्यान्नों की आवश्यकता के ठीक-ठीक अनुमान उपलब्ध नहीं हैं ।

(ग) केन्द्रीय पूल में पहली जून, 1992 को 15.3 मिलियन मीटरी टन **खाद्यान्नों** (चावल और गेहूं) का अनुमानित स्टाक था। वर्ष 1991-92 में चावल और गेहूं के उठान के आधार पर गेहूं और चावल की वार्षिक आवश्यकता लगभग 19 मिलियन मीटरी टन बैठती है ।

(घ) सरकार केन्द्रीय पूल में चावल और गेहूं के स्टाक की स्थिति की समय-समय पर समीक्षा करती रहती है और जब कभी घरेलू आपूर्तियों के जरिये सार्वजनिक वितरण प्रणाली की आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया जा सकता है तब आयात का सहारा लेना पड़ता है ।

Import of Wheat

293. SHRI SURESH KALMADI:
SHRI SHIV PRATAP MISHRA:
SHRI YASHWANT SINHA:
SHRI DAYANAND SAHAY:

Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in the wake of dismal performance on the procurement front, Government have initiated steps to import wheat;

(b) whether it is also a fact that an official team has left for Europe to make inquiries regarding wheat availability and prices in the world market;

(c) if so, the details in this regard;

(d) whether it is a fact that Government have finalised a deal to import one million tonnes of wheat from Canada;

(e) if so, the price at which the deal has been finalised and the terms of payment; and

(f) the details of procurement and market prices of comparable quality of wheat in the Indian Market?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD (SHRI TARUN GOGOI): (a) to (e) The procurement of wheat is made on a voluntary basis purely as a price support measure, at prices fixed by the Government, to avoid distress sale by the farmers. The procurement of wheat during 1992-93 marketing season (upto 30-6-1992) has been 6.4 million tonnes as against 7.7 million tonnes in 1991-92 marketing season. Government have since signed a contract with the Canadian Wheat Board for import of 10.05